(5)

1112116
E

[This Question Paper contains 3 printed pages.]

Sl. No. of Question Paper 2823 आपका अनुक्रमांक .....

M.A. (एम.ए.)/ I - 2016

HINDI (हिंदी) Paper-102 (प्रश्नपत्र-102)

कहानी

(वर्ष 2011 से 2016 तक के पाठ्यक्रमानुसार)

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 70**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

नोट : प्रश्नपत्र पर अंकित पूर्णांक नियमित कॉलेजों (श्रेणी 'A') के विद्यार्थियों के लिए अनुप्रयोज्य हैं। तथापि ये अंक NCWEB के विद्यार्थियों के संबंध में उनके परिणाम के संकलन के लिए नियुक्त अधिनिर्णय के समय आनुपातिक रूप में अधिक होंगे।

1. निम्नलिखित पाठांश का संदर्भ सहित अर्थ-विश्लेषण करते हुए उसकी केन्द्रीय विशेषताओं का उद्घाटन कीजिए :

(क) "खिलौना क्यों नहीं? अभी कंधे पर रखा, बंदूक हो गयी। हाथ में लिया, फकीरों का चिमटा हो गया। चाहूँ तो इससे मजीरे का काम ले सकता हूँ। एक चिमटा जमा दूं तो तुम लोगों के सारे खिलौनों की जान निकल जाय। तुम्हारे खिलौने कितना ही जोर लगावें, वे मेरे चिमटे का बाल भी बाँका नहीं कर सकते। मेरा बहादुर शेर है – चिमटा।"

अथवा

"नीचे वालों ने हमेशा पहाड़ वालों के साथ अन्याय ही किया है। समझ लीजिए कि पातालवासी शैतान देवताओं से बदला लेना चाहते हैं।"

हमलोग मानते हैं कि पृथ्वी और आकाश पहले एक थे – पर दोनों को जोड़ने वाली धमनी इंसान ने काट दी। तब से दोनों अलग हैं और पृथ्वी का घाव नहीं भरता।" 10

(ख) लगता वहाँ किसी और ही अपरिचित और अज्ञात भाषा में कोई धीरे-धीरे फुसफुसाकर बात कर रहा है। ये बातें हमारे अपने संसार की नियति और मृत्यु के बारे में होतीं। कई चीजों के टूटने और बनाये जाने की खटपट सुनाई देती। वहाँ कुछ नया रचा और गढ़ा जा रहा था। कभी लगता कि घर की सारी दीवारों के खोखल में, यहाँ से लेकर वहाँ तक, एक बहुत बड़ा अजगर सोया हुआ है, जिसकी तपती हुई, भाप से भरी साँस हमारी साँसों और सपनों तक पहुँच रही हैं।

अथवा

दिनभर की थकान ने सब परेशानियों, प्रश्नों पर कुंजी लगा दी थी, जैसे दिनभर आँखमिचौनी खेलते हुए उसने अपने कमरे में 'दैया' को छू लिया था, अब वह सुरक्षित थी, कमरे की चहारदीवारी के भीतर उसे कोई नहीं पकड़ सकता। दिन के उजाले में वह गवाह थी, मुजरिम थी, हर चीज का उससे तकाजा था; अब इस अकेलेपन में कोई गिला नहीं, उलाहना नहीं, सब खींचतान खत्म हो गई है; जो अपना है, वह बिल्कुल अपना-सा हो गया है, जो पराया है, उसका दु:ख नहीं, अपनाने की फुर्सत नहीं . . . 10

2. "ईदगाह श्रम की प्रतिष्ठा की कहानी है" इस कथन के आलोक में 'ईदगाह' कहानी की समीक्षा कीजिए।

अथवा

आधुनिक सभ्यता के अन्तर्विरोधों के परिप्रेक्ष्य में 'हीलीबोन की बत्तखें' कहानी का विवेचन कीजिए। 12

3. 'अमृतसर आ गया है' कहानी की केन्द्रीय समस्या पर प्रकाश डालिए।

अथवा

नई कहानी के 'नयेपन' को समझाते हुए 'परिन्दे' कहानी की समीक्षा कीजिए। 12

4. स्त्री-विमर्श की दृष्टि से 'यही सच है' कहानी का मूल्यांकन कीजिए।

अथवा

'वापसी' कहानी में अभिव्यक्त यथार्थ-बोध पर प्रकाश डालिए। 12

5. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए :

(क) 'कफन' का कथ्य;

(ख) 'चीफ की दावत' की अन्तर्वस्तु;

(ग) 'छप्पन तोले का करधन' का शिल्प;

(घ) 'परमात्मा का कुत्ता' में व्यंग्य। 7, 7